IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राजकीय माध्यमिक विद्यालयां में संचालित क्लिक योजना के विद्यार्थियों की आईसीटो अभिक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन।

***Rajesh Kumar Sharma, **Prof. Anshu Bhatia**

*Rsearch Scholar, School of Education, JNU Jaipur, Jagatpura, Jaipur, Rajasthan, India 302017

**Research Guide, School of Education, JNU Jaipur, Jagatpura, Jaipur, Rajasthan, India 302017

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में संचालित क्लिक योजना का विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन करना है। वर्तमान डिजिटल युग में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की भूमिका शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। इसी संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में संचालित क्लिक योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस शोध में क्लिक योजना से सम्बद्ध विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर योजना के प्रभाव का समीक्षात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन के लिए राजस्थान राज्य के झुंझुनू जिले के नवलगढ़ ब्लॉक के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 400 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया। आँकड़ों के संकलन हेतु आईसीटी अभिक्षमता की स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया। शोध में निर्धारित शून्य परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान जैसी सांख्यिकीय प्रविधियों के माध्यम से किया गया। विश्लेषण के परिणामों से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में संचालित क्लिक योजना के विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता के मध्यमानों में सांख्यिकीय दृष्टि से कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। यह अध्ययन शिक्षा में आईसीटी आधारित योजनाओं के प्रभाव के मूल्यांकन की दिशा में उपयोगी सिद्ध होगा तथा भविष्य में नीति–निर्माताओं, शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए मार्गदर्शक के रूप में सहायक हो सकता है।

मुख्य शब्दावली : राज. मा. विद्यालय, क्लिक योजना, विद्यार्थी, आईसीटी अभिक्षमता।

प्रस्तावना :

वर्तमान युग को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का युग कहा जाता है, जहाँ शिक्षा का स्वरूप परंपरागत सीमाओं से आगे बढ़कर डिजिटल एवं तकनीक–आधारित हो चुका है। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों की आईसोटी अभिक्षमता का विकास अत्यंत आवश्यक हो गया है, क्योंकि यह न केवल उनके शैक्षणिक अधिगम को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि उन्हें भविष्य की सामाजिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी चुनौतियों के लिए भी सक्षम बनाती है।

आईसीटी अभिक्षमता से तात्पर्य विद्यार्थियों की उस क्षमता से है जिसके माध्यम से वे डिजिटल उपकरणों, इंटरनेट संसाधनों एवं सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी, विवेकपूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग कर सकें। विद्यालयी स्तर पर आईसीटी का समुचित एकीकरण विद्यार्थियों में तकनीकी जागरूकता, आत्मनिर्भरता तथा सीखने की दक्षता को बढ़ाता है।

डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु राजस्थान राज्य सरकार द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में क्लिक योजना संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी संसाधनों से जोड़ना तथा उनकी आईसीटी अभिक्षमता का विकास करना है। इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को आईसीटी आधारित शिक्षण–अधिगम के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में संचालित क्लिक योजना के विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना है। यह अध्ययन योजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के साथ–साथ भविष्य में डिजिटल शैक्षिक योजनाओं के सुधार एवं विकास के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

समस्या कथन :– राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में संचालित क्लिक योजना के विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर प्रभाव का अध्ययन।

सम्बन्धित शोध साहित्य :– दुम्बया एवं सहयोगी (2026) द्वारा किये गये शोध "वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के आई.सी.टी. कौशलों का आकलन : शिक्षणात्मक हस्तक्षेप का आधार"। सेतुआ एवं सहयोगी (2025) द्वारा किये गये शोध "उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के डिजिटल साक्षरता–कौशल : जनसांख्यिकीय भिन्नताएँ और शैक्षिक निहितार्थ"। ओवोयेले एवं सहयोगी (2025) द्वारा किये गये शोध "डिजिटल साक्षरता–कौशल और विद्यार्थियों की शैक्षणिक संलग्नता"। चौधरी एवं बरूआ (2024) द्वारा किये गये शोध "डिजिटल परिदृश्य में माध्यमिक विद्यालयी विद्यार्थियों की डिजिटल दक्षता का विश्लेषण"। पार्थसारथी (2023) द्वारा किये गये शोध "सॉफ्टवेयर कार्यदक्ष में ଓଉଷ अभिगम्यता प्रशिक्षण की आवश्यकता"।

उद्‌देश्य :–

1. राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के प्रभाव का अध्ययन।
2. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्रों की आई. सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।
4. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।
5. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ :–

1. राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।
2. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र मं अध्ययनरत छात्रों की आई. सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।
3. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव मं कोई सार्थक अन्तर नही है।
4. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।
5. राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।

शोध विधि :

शोध की प्रकृति व सर्वेक्षण विधि की उपयोगिता के आधार पर शोधार्थी ने प्रस्तुत अनुसंधान में आँकड़ों के एकत्रीकरण हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या / समग्र :

शोधार्थी द्वारा शोध कार्य में राजस्थान राज्य के झुंझुनू जिले में स्थित सभी 11 ब्लॉको के 618 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में से ब्लॉक वार 454 विद्यालयों में ही कम्प्यूटर लैब संचालित है। नवलगढ़ ब्लॉक में 99 राजकीय माध्यमिक विद्यालय स्थित है, इन 99 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में से 56 विद्यालय में ही कम्प्यूटर लैब पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं, इन कम्प्यूटर लैब युक्त 56 विद्यालयों में से 28 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में क्लिक योजना पूर्ण रूप से संचालित है, तत्पश्चात शोधार्थी द्वारा 28 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में संभावित 3200 अध्ययनरत छात्र–छात्राएं में से शोध कार्य हेतु 10 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के 668 विद्यार्थियों में से 400 छात्र–छात्राओं की 59.88% जनसंख्या को न्यादर्श के रूप में चुना है।

न्यादर्श :

शोधार्थी द्वारा शोध कार्य हेतु न्यादर्श में राजस्थान राज्य में स्थित झुन्झुनू जिले के नवलगढ़ ब्लॉक में से 10 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित कम्प्यूटर लैब युक्त विद्यालयों, जिनमें सुचारू रूप से क्लिक योजना संचालित है इन विद्यालयों की कक्षा 9 एवं 10 की नामावली से स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा कुल 400 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया है।

उपकरण :–

क. सं.	उपकरण का नाम	स्थिति
1.	ଝଁଳଭଓ- ଷଷ- ୦ଷ- ଝଁଲଐଳଜ୍ଜଳରକ୍ୱଳ	ଖକ୍ଟଲଙ୍କଳରତକ୍ୱ
2.	ଝଁଳଭଓ- ଷଷ- ୦ଷ- ଝଁଲଐଳ:ଲକ୍ଷ୍ଟ	ଖକ୍ଟଲଙ୍କଳରତକ୍ୱ

परिणाम :–

परिकल्पना 1– राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।

विद्यार्थी	N	M	SD	SED	D	df	t-test
छात्र	200	119.19	27.35	2.60	20.83	398	7.98
छात्रा	200	98.36	24.77				

** 0.05 सार्थक स्तर

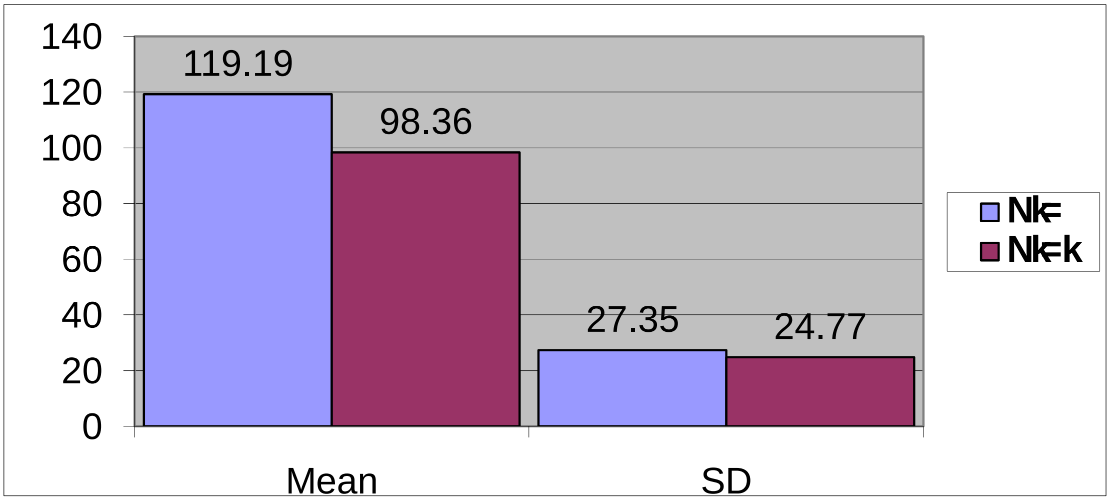

परिकल्पना–1 ''राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की आईसीटी अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के संदर्भ में अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षतः क्लिक योजना का प्रभाव सभी विद्यार्थियों पर समान रूप से नहीं पड़ा, बल्कि इसके उपयोग की तीव्रता एवं सीखने की सक्रियता में विद्यमान भिन्नता के कारण दोनों समूहों के मध्य आई.सी.टी. अभिक्षमता में सार्थक अन्तर उत्पन्न हुआ। यह परिणाम इस तथ्य को भी इंगित करता है कि शैक्षिक तकनीकी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विद्यार्थियों को समान अवसरों के साथ–साथ निरन्तर अभ्यास, व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं सक्रिय सहभागिता हेतु प्रोत्साहित करना आवश्यक है, जिससे सभी आयामों का संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके। इसलिए शून्य परिकल्पना–1 अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 2 राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्रों की आई. सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।

छात्र	N	M	SD	SED	D	df	t-test
ग्रामीण	100	98.09	29.21	3.72	1.08	198	0.29
शहरी	100	97.82	23.15				

** 0.05 सार्थक स्तर

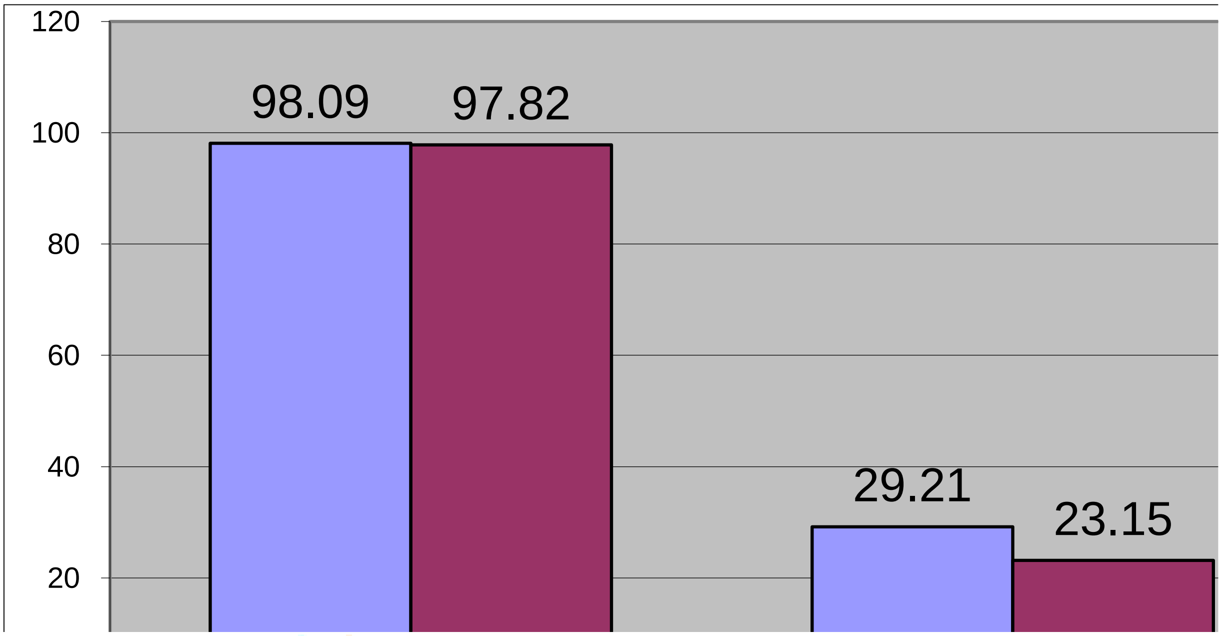

परिकल्पना–2 ''राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की आई.सी.टी. अभिरूचि पर संचालित क्लिक योजना के संदर्भ में स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षत : क्लिक योजना ने छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिरुचि को समान रूप से प्रभावित किया है। किसी भी प्रकार का सांख्यिकीय रूप से सार्थक अन्तर न पाए जाने के कारण यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों में आई.सी.टी. के प्रति रुचि, आत्मविश्वास, उपयोगिता की धारणा, सर्जनात्मकता तथा सहभागिता का विकास लगभग समान स्तर पर हुआ है। इसलिए शून्य परिकल्पना–2 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 3 राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।

छात्रा	N	M	SD	SED	D	df	t-test
ग्रामीण	100	134.53	28.79	3.80	10.00	198	2.62
शहरी	100	124.53	24.91				

** 0.05 सार्थक स्तर

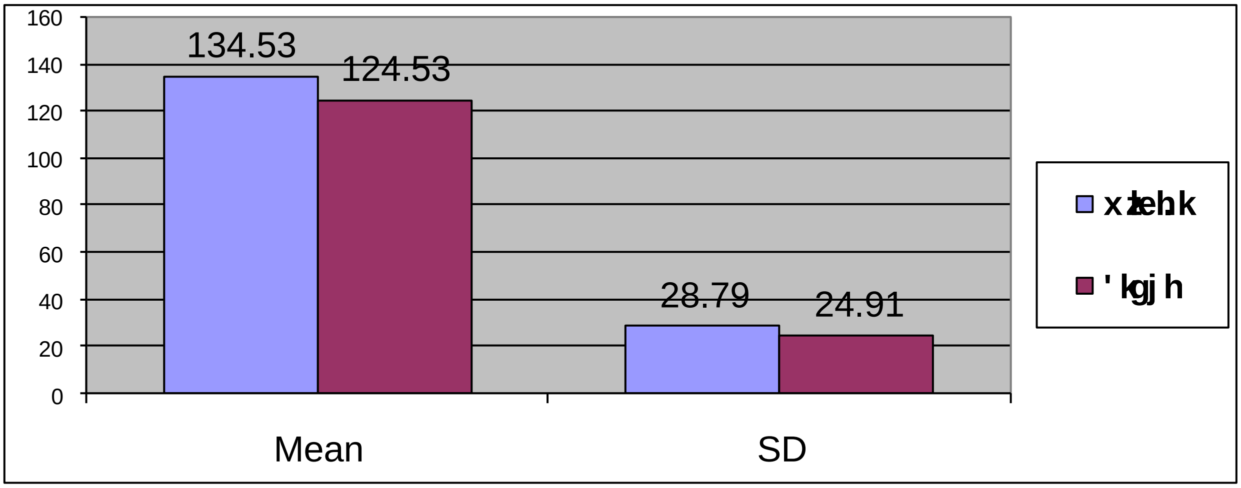

परिकल्पना–3 ‘‘राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के संदर्भ में अस्वीकृत की जाती है।

निष्कषर्त : क्लिक योजना का प्रभाव ग्रामीण एवं शहरी छात्राओं पर समान रूप से नहीं पड़ा। ग्रामीण छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता अपेक्षाकृत अधिक विकसित पाई गई, जिसके कारण दोनों समूहों के मध्य सांख्यिकीय रूप से सार्थक अन्तर परिलक्षित हुआ। इसलिए शून्य परिकल्पना–3 अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 4 राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।

ग्रामीण विद्यार्थी	N	M	SD	SED	D	df	t-test
छात्र	100	97.82	23.15	3.40	26.71	198	7.85
छात्रा	100	124.53	24.91				

** 0.05 सार्थक स्तर

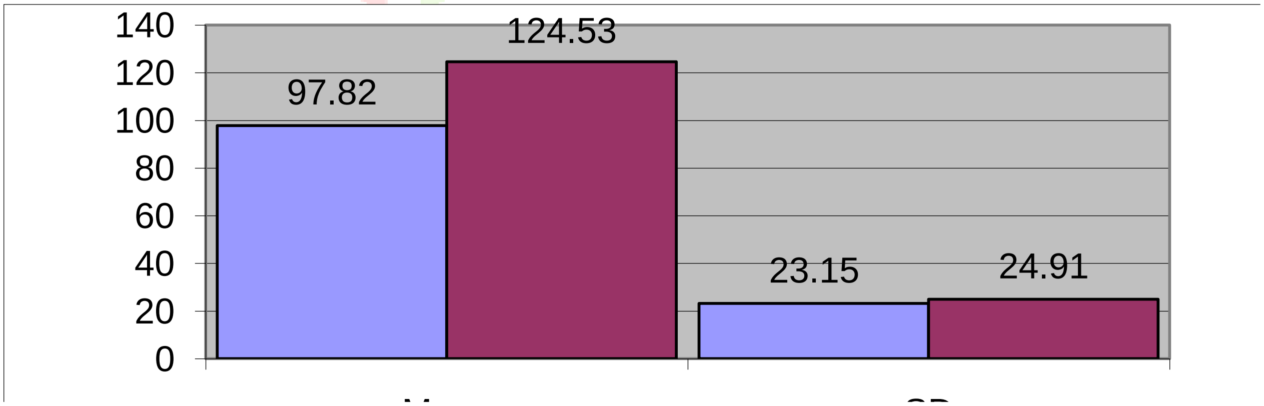

परिकल्पना–4 ‘‘राजकीय माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के संदर्भ में अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षत : क्लिक योजना का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं पर समान रूप से नहीं पड़ा। छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता छात्रों की तुलना में अधिक विकसित पाई गई, जिसके कारण दोनों समूहों के मध्य सांख्यिकीय रूप से सार्थक अन्तर परिलक्षित हुआ। इसलिए शून्य परिकल्पना–4 अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 5 राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के सकारात्मक प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नही है।

शहरी विद्यार्थी	N	M	SD	SED	D	df	t-test
छात्र	100	98.09	29.21	4.10	36.44	198	8.88
छात्रा	100	134.53	28.79				

** 0.05 सार्थक स्तर

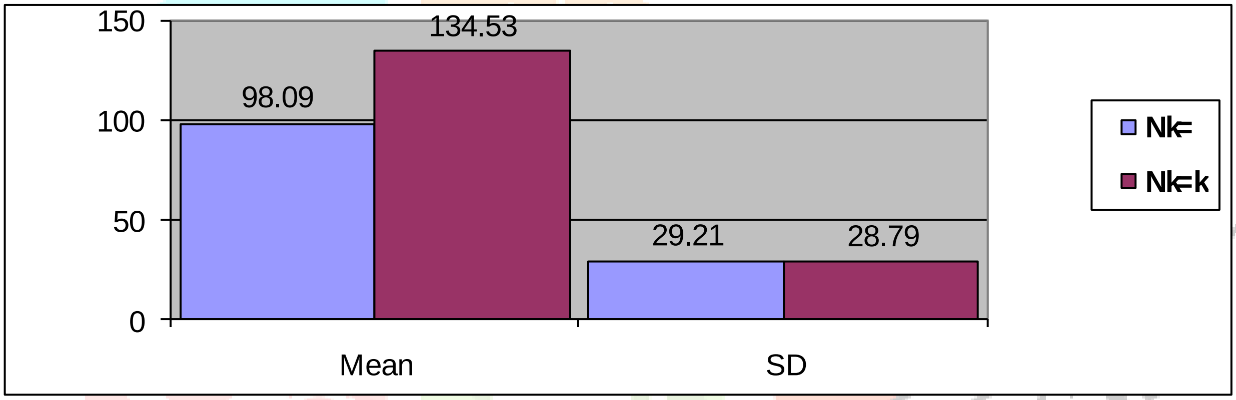

परिकल्पना–5 ''राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की आई.सी.टी. अभिक्षमता पर संचालित क्लिक योजना के संदर्भ में अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षत : क्लिक योजना का प्रभाव शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं पर समान रूप से नहीं पड़ा। छात्राओं की आई.सी.टी. अभिरुचि छात्रों की तुलना में अधिक विकसित पाई गई, जिसके कारण दोनों समूहों के मध्य सांख्यिकीय रूप से सार्थक अन्तर परिलक्षित हुआ। इसलिए शून्य परिकल्पना–5 अस्वीकृत की जाती है।

शैक्षिक निहितार्थ :

शोधार्थी द्वारा प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर यह ज्ञात हुआ कि क्लिक योजना विद्यार्थियों में कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में प्रभावी सिद्ध हुई। इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को कम्प्यूटर के व्यावहारिक उपयोग, डिजिटल संसाधनों तथा आधुनिक तकनीकी साधनों से परिचित होने के पर्याप्त अवसर प्राप्त हुए। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, डिजिटल दक्षता एवं आई.सी.टी. अभिक्षमता में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। विद्यार्थियों में सूचना के संग्रह, उपयोग एवं प्रस्तुतीकरण से संबंधित आवश्यक कौशलों का भी विकास हुआ। योजना ने विद्यार्थियों को परम्परागत शिक्षण पद्धतियों के साथ–साथ आधुनिक एवं तकनीक–आधारित शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे उनमें कम्प्यूटर के प्रति रुचि, आत्मविश्वास तथा स्वतंत्र रूप से तकनीकी संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता विकसित हुई। अतः शैक्षिक दृष्टि से क्लिक योजना विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल, डिजिटल साक्षरता तथा आधुनिक शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास में उपयोगी एवं प्रभावशाली सिद्ध हुई।

संदर्भ :

- **Bhattacharya, D., & Roy, K. (2021).** *Digital transformation of Indian schools: Ict and policy perspectives. Kolkata: Academic Publishers.*
- **Government of India. (2021).** *Samagra Shiksha Abhiyan: Report on Ict and digital initiatives. New Delhi: Department of School Education and Literacy.*
- **Government of Rajasthan. (2022).** *CLICK Yojana: Guidelines and implementation report. Jaipur: Department of Education, Government of Rajasthan.*
- **Goyal, A. (2020).** *Information and communication technology and learning process. New Delhi: R. Lal Book Depot.*
- **Kumari, N. (2022).** *Impact of Ict in school education: An analytical study. Lucknow: Awadh University Prakashan.*
- **Ministry of Education, Government of India. (2020).** *Digital India initiative and innovation in school education. New Delhi: Ministry of Education Prakashan.*
- **Mishra, S., & Mohanty, R. (2019).** *Use of technology in education. Varanasi: Gyanmandir Prakashan.*
- **Mishra, S., & Panda, S. (2021).** Technology integration in teaching-learning: Trends and practices. New Delhi: Ignou Prakashan.